compulsory. Each question carries 03 (Three Marks)

प्रश्न: Name- Pradeep Saraswat
Test → 8/02/21 → पर्यावरण (6, 7, 8, 9) → 7987647887

उत्तर :

(A) मानसून के अध्ययन हेतु रूस व भारत के मध्य समझौता है जिसमें उत्पत्ति का विश्लेषण किया जाता है

पू./M = 03

प्रश्न:

उत्तर : (B) प्रति इकाई क्षेत्रफल में (कृषि योग्य भूमि) कार्यरत कृषकों की संख्या कृषि घनत्व कहलाती है

घनत्व = क्षेत्रफल / कृषक

पू./M =

प्रश्न:

उत्तर : (C) ट्रांसह्यूमन्स → एक खानाबदोश समूह है जो पशुपालन करता है, तथा ऋतु परिवर्तन अनुसार प्रवास करता है

पू./M

प्रश्न:

उत्तर : (D) (i) असम में स्थित नदी द्वीप, (ii) एक ब्रह्मपुत्र नदी द्वारा बनाया गया (iii) इसे पुरस्कृत जिला घोषित किया गया (iv) एक सबसे बड़ा नदी द्वीप है (विश्व में)

पू./M

प्रश्न:

उत्तर : (E) (i) एक 1954 में नागपुर में स्थापित
(ii) वर्तमान में भोपाल में स्थापित
(iii) खनिजों की खोज, व खदान वितरण इसके कार्य

प्रश्न:

उत्तर (F) झाबुआ, अलीराजपुर, छतरपुर, आदि

प्रश्न:

उत्तर (G) (i) यह धारावाड़ पहाड़ी श्रेणी का प्रकार
(ii) यह बालाघाट में स्थित।
(iii) मलाजखण्ड (ताँबा) खान इसमें शामिल।

प्रश्न:

उत्तर (H) (i) धार जिले में स्थित। ~~धार~~ मान नदी पर
(ii) 2006 में मंजूरी दी गयी।
(iii) धार, बड़वानी, लाभान्वित।

प्रश्न:

उत्तर (I) (i) फ्लोराइड (फ्लुओरीन) अशुद्धता तत्व।
(ii) जल अशुद्धता का प्रमुख कारक
(iii) कैंसर, त्वचा, हृदय, रोग का कारक

प्रश्न:

उत्तर (J) (i) NDRF राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल
(ii) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 द्वारा स्थापित
(iii) गृह मंत्रालय के तहत स्थापित।

पू./M = 03 प्राप्तांक

पू./M = 03 प्राप्तांक

पू./M = 03 प्राप्तांक

(k) संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा (1990) को अन्तर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण वर्ष घोषित किया गया।

(l) वह तकनीक जिसमें पौधों की जड़ों में जल को प्रत्यक्ष पहुँचाया जाता है

(m) (i) यह उत्तराखण्ड देहरादून में स्थित।
(ii) सुदूर संवेदन तकनीक पर अनुसंधान व आंकड़ो पर विश्लेषण करता है

(n) (i) विद्युत चुम्बकीय तकनीक आधारित मैपिंग प्रक्रिया
(ii) अंतः नदी घाटी, विसर्प नदी, पुराताविक स्थल खोज में उपयोगी।

(2.2)

उत्तर :

(A) प्रवासी वे भारतीय मूल नागरिक है जो विदेशी नागरिकता प्राप्त कर अन्य देशों में निवास करते है।

W.T.O की रिपोर्टनुसार भारत सर्वाधिक रेमिटेन्स प्राप्तकर्ता देश है।

(2.2)

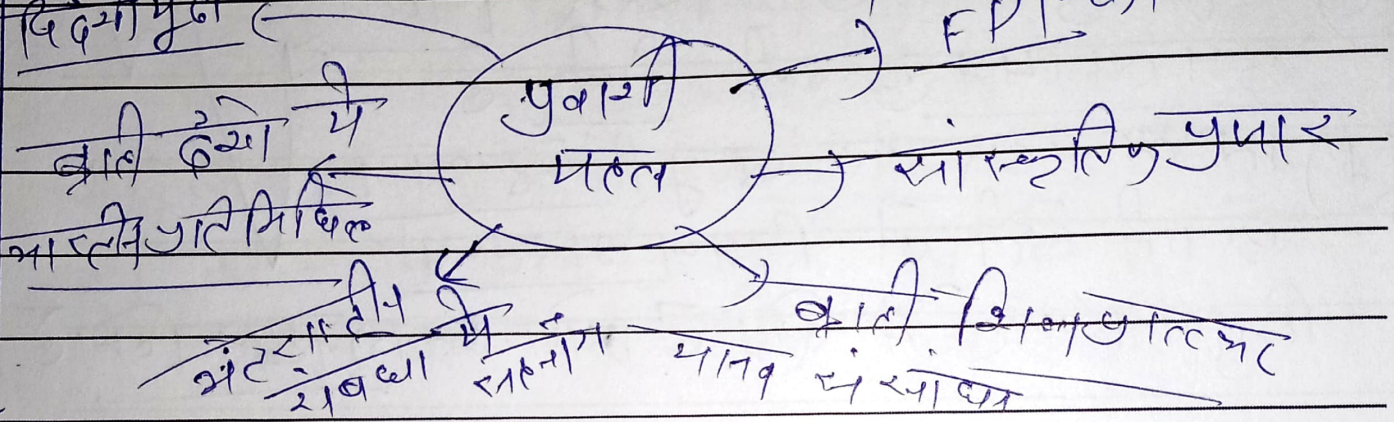

उत्तर :

(B) भारत स्वर्ण उत्पादन में सामान्यतः आत्मनिर्भर नहीं पर कुछ देशों से इसकी प्राप्ति होती है।

(i) कर्नाटक → कोलार, हट्टी की खानें (सर्वाधिक उत्पादन)

(ii) आंध्रप्रदेश → रामगिरी की खदानें (सामान्य उत्पादन)

(iii) उ.प्र → गंगा नदी के बालू निक्षेपों से प्राप्ति।

सोना पुरस्कृत धारवाड़ चट्टानों से प्राप्त होता है

(C) निम्न आधारों पर प्रभावित करता है

(a) ग्रीष्म ऋतु में पैदा धारा तिब्बत पठार द्वारा दो भागों में विभक्त होती है

(b) जेट धारा की दक्षिणी शाखा तिब्बत पठार के ऊपर से प्रवाहित

(c) समुद्री दूरी व ऊँचा शिखर जिससे उच्च तापमान उत्पन्न होती है

(d) तिब्बत पठार पर पूर्वी जेट धारा उत्पन्न होती है जिसका अवतलन हिन्द महासागर में होता है मानसून उत्पन्न करता है

(D) देश आदिम जाति (जनजाति) हेतु निम्न मानदण्ड निर्धारित किए गए।

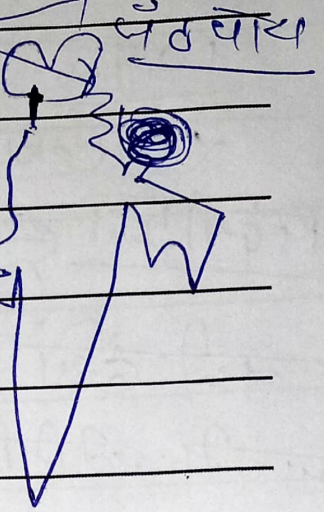

(i) वह जनजाति जो परम्परागत तरीके से कृषि करती हो

(ii) जिसके समाज में साक्षरता का स्तर बहुत कम हो

(iii) जिनकी जनसंख्या निरन्तर कमी आ रही हो।

(iv) रोजगार, पोषण, स्वास्थ्य सुरक्षा आदि से वंचित हो।

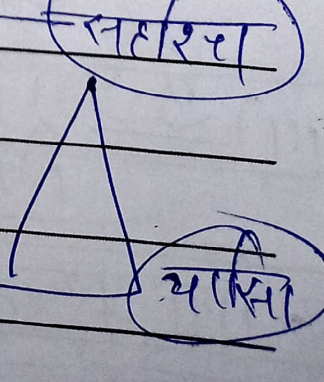

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(E) निम्न कारण विद्यमान।

(a) म.प्र. का भू-आवेशित स्थिति विशेष बंदरगाह, अंत: जलमार्ग संभावना नही

(b) बुनियादी ढांचागत अभाव उदा LEDS 2022 रैंकिंग में म.प्र (4) स्थान पर

(c) कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था (75%) व (29%) पर वन क्षेत्र → भूमि अधिग्रहण चुनौती

(d) लोक अपराध नहीं विशेष उत्पाद उद्योग अभाव

(E) राजनैतिक आकर्षक नीति का अभाव।

(F) कृषि विकास पर अधिक ध्यान केन्द्रित।

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(F) निम्न उपाय अपनाए जाए।

(i) जन जागरूकता हेतु शिक्षा, पाठ्यक्रम ताकि भगदड़ जैसी आपदा से बचाव हो।

(ii) परिवहन नियमों के पालन को सुनिश्चित करे ताकि दुर्घटनाए न हो

(iii) बेहतर खुफिया तंत्र, सर्वोत्तम निगरानी ताकि आतंकवाद से सुरक्षा।

(iv) उचित औद्योगिक मानकों का पालन हो ताकि दुर्घटनाए न हो

(v) जलवायु परिवर्तन नियंत्रण सतत विकास पुनर्स्थापन पर ध्यान दिया जाए

उत्तर :

(ज) जल प्रबंधन की चुनौतियों से मतलब

(i) तालाब, झीलों, नदियों का ठीक रखरखाव नहीं होने से गाद, अत्यधिक जमा

(ii) नदियों में बढ़ता प्रदूषण, घरेलू अपशिष्ट, औद्योगिक अपशिष्ट आदि।

(iii) नहरों को मरम्मत न करना जिससे जल का रिसाव।

(iv) नदी किनारे उद्योग स्थापना उद्धान चपना उद्योग ने प्रदूषण का कारण।

(v) ट्रीटमेन्ट प्लांट, पुनर्चक्रण तकनीक, रेन वाटर हार्वेस्टिंग आदि की कमी।

: (2.2)

पृ./M =

उत्तर :

(ग) (i) बेहतर मौसमानुसार फसल चयन में।

(ii) कृषि संसाधन के प्रबंधन में

(iii) कृषि दस्तकल के बोए गए बोनों की मैपिंग

(iv) कृषिगत आंकड़ों द्वारा नीति निर्माण में

(v) सुरक्षा, या कृषि फसलों के नुकसान का पता लगाना

(vi) Pm बीमा योजना लाभार्थी चयन करने में।

(vii) टिड्डी, चक्रवात, जैसी आपदा से पूर्व चेतावनी।

(viii) कृषि रोगों व प्रकोप की चपीहन करना।

उत्तर :

(7) GIS के निम्न उद्देश्य।

(i) नियोजन व निर्णय प्रक्रिया में समय व लागत संदर्भ में मानव क्षमता बढ़ाना।

(ii) आंकड़ों के वितरण व प्रक्रिया हेतु संचालन जुटाना।

(iii) आंकड़ों की प्रतिक्रियात्मकता स्तर पर उनकी पुनः पुनरावृत्ति रोकना।

(iv) प्राप्त विभिन्न भौगोलिक मिश्रित आंकड़ों का विश्लेषण करना।

(v) विभिन्न सूचनाओं को समन्वित करना।

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(7) GPS तकनीक ट्राइलेटरेशन तकनीक पर आधारित है

(i) किसी स्थान पर object स्थित जानने हेतु चार निर्देशांक की आवश्यकता होती है अक्षांश, देशान्तर, ऊंचाई व समय

(ii) न्यूनतम चार उपग्रह यह आवश्यकता पूर्ती कर देते है

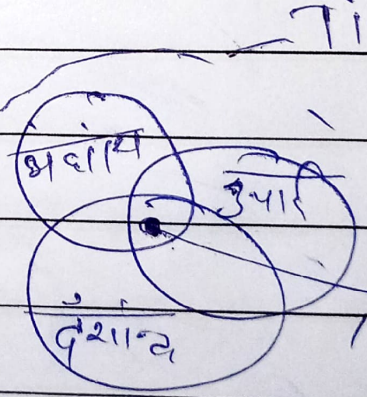

(iii) माइक्रोतरंगों की चाल, समय-दूरी मान कर स्थिति पता लगायी जाती है।

(A) अलनीनो प्रशांत महासागर से उत्पन्न होने वाली गर्म समुद्री धारा है जब वैश्विक मौसम तंत्र के साथ-साथ भारतीय मानसून को भी प्रभावित करती है।

उत्पत्ति कारक :

(I) प्रचलित व्यापारिक हवाओं की गति से कमी।

(II) समुद्री जल की अपवेलिंग से कमी

(III) हम्बोल्ट धारा के स्थान पर गर्म अलनीनो की उत्पत्ति।

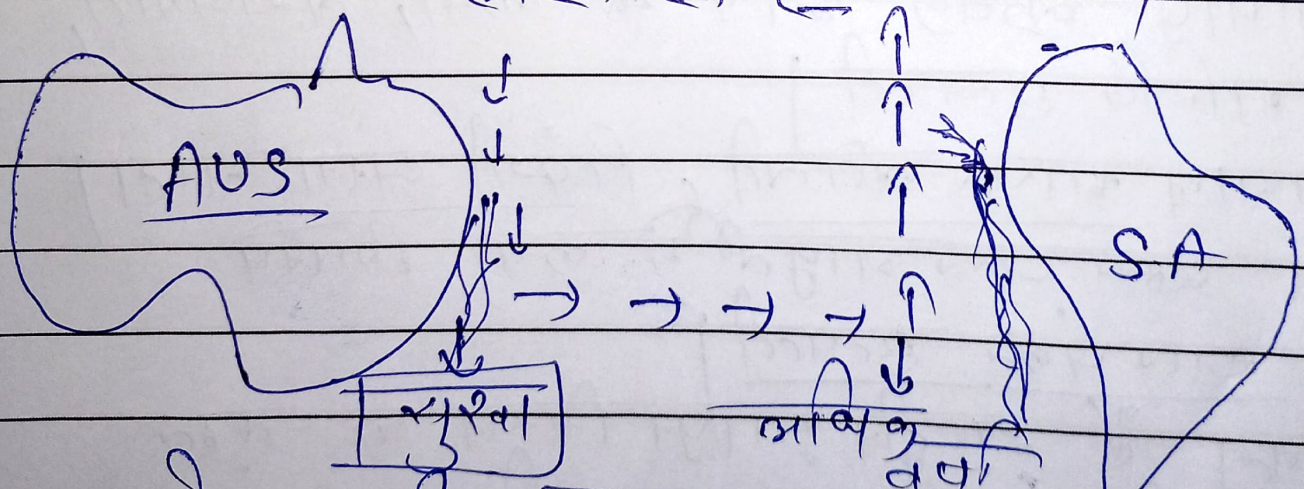

→ इसके भारतीय मानसून पर भिन्न प्रभाव उत्पन्न होंगे।

Nema Books

(I) हिन्द महासागर व प्रशांत महासागर में तापान्तर उत्पत्ती।

(II) वॉकर सर्कुलेशन का विपरित होना।

(III) ठंडा जल हिन्द महासागर में प्रवेश कर वाष्पीकरण दर कम कर मानसून क्रियाशीलता को कम करता है।

प्रभाव → (I) मानसून क्रियाशीलता कम जिससे भारत में सुखा उत्पत्ती।

(II) कृषि उत्पादन कम, खाद्यान्न संकट व खाद्यान्न मुद्रास्फीति उत्पन्न।

(III) कृषि ऋण माफी, बीमा आदि व्यय जिससे राजकोषिय भार बढ़ोत्तरी।

(IV) ग्रामीण कृषक आय में कमी, बेरोजगारी, गरीबि उत्पत्ती।

(V) खाद्यान्न आयात बढ़ोत्तरी विदेशी व्यापार घाटा।

(VI) जल आपूर्ति में कमी जिससे जल संकट उत्पत्ती।

आवश्यकता है राष्ट्रीय मानसून मिशन के तहत अलनीनो के पूर्वानुमान पर अधिक अनुसंधान कर बेहतर तकनीक विकसित करें।

Nema Books -920

(B) मालवा पठार महत्वपूर्ण के कुल भाग का (24%) सबसे बड़ा क्षेत्र है इसका विस्तार (22.17-25.4) उत्तरी अक्षांश (73.17-74.5) पूर्वी देशान्तर तक

इसके अंतर्गत शामिल जिले [उज्जैन, आगरा, इन्दौर, धार शाजापुर, मंदसौर आदि]

इसका आर्थिक महत्व निम्न आधारों पर समझ सकते हैं।

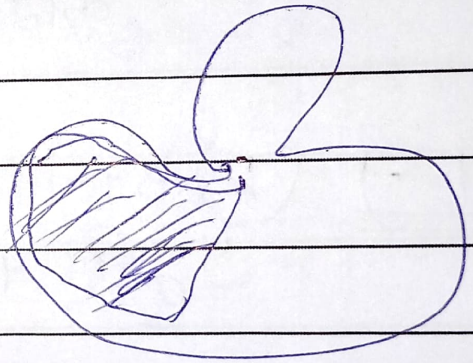

(a) कृषि – (i) काली मिट्टी क्षेत्र सर्वाधिक कपास उत्पादन [उज्जैन]

(ii) सोयाबीन उत्पादक क्षेत्र (81.05)%

(iii) अफीम उत्पादन मंदसौर

(iv) गेहूं-चना उत्पादन में शाजापुर, उज्जैन, विदिशा

(v) सरसों उत्पादन सर्वाधिक (धार, मंदसौर)

इन्हीं से कई कृषि आधारित उद्योग स्थापित।

Nema Books -92003333

(i) कपड़ा उद्योग → इन्दौर, उज्जैन,।
(ii) चीनी उद्योग → बरलाई, पंढाना)
(iii) भोपाल प्लांट → उज्जैन, (सरलो प्लेट) → धार।

(2) औद्योगिक → (i) इन्दौर → IT पार्क, इलेक्ट्रॉनिक
(ii) पीथमपुर → ऑटो मोबाइल इंडस्ट्री
(iii) देवास → कपड़ा उद्योग, वाहन उद्योग
(iv) धार → पशु आहार संयंत्र
(v) भोपाल-रायसेन → रेल डिपो, आर्टीकल कागज कारखाना आदि।

(3) पर्यटन → (i) उज्जैन (ii) भोपाल (iii) पंचमढ़ी प्रमुख पर्यटक केन्द्र।

(4) खनिज → (i) झाबुआ (रॉक फास्फेट)
(ii) देवास (चीनी मिट्टी), (iii) धार (मैंगनीज),
(iv) कच्चापार (झाबुआ) व सिलिका (देवास)।

मालवा में कृषिगत तथा पशुपालन, औद्योगिक पार्क को बढ़ावा देकर इसकी आर्थिक वृद्धि की ओर बढ़ाया जा सकता है।

(८)

आपदा प्रबंधन से तात्पर्य है आपदा के प्रभावों को कम कर कम से कम जनहानि के प्रेरित करना।

यदि भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो भारत ने अपने स्तर पर कई दिशा में सफल कार्य अपनाए तथा सफलताएं प्राप्त की।

(i) 2005 में भारत ह्युगो फ्रेमवर्क को अपनाते हुए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम - 2005 लागू किया।

(ii) आपदा के प्रति प्रतिक्रिया हेतु NDRF तथा अनुसंधान हेतु (NDMA) स्थापना।

(iii) 2005 के बाद से पूर्व तैयारी, शमन पर अधिक ध्यान केन्द्रित किया।

(iv) राष्ट्रीय आपदा कोष, PM आपदा कोष की स्थापना ताकि पुनर्वास में सहायता मिले।

Nema Books -920033336

(5) 2016 से ऐजाई फ्रेमवर्क अपनाकर 2016 से नई नीति जारी की।

(6) आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना निर्माण समूह की स्थापना की।

प्रभाव :- (i) 2000 से उड़ीसा सुपर साइक्लोन से बेहतर प्रबंधन किया।

(ii) पूर्व चेतावनी तंत्र मजबूत हुआ कभी, परन्तु से कोई हताहत नहीं हुआ।

(iii) कश्मीर बाढ़, उत्तराखण्ड बाढ़, आदि से बचाव कार्य में सफल रहे।

सीमाएं/कमियां — (i) मा.ज. सामुदायिक निर्भरता भागीदारी HPMA में नहीं।

(ii) प्राकृतिक भू-क्षरण रोकने के प्रयास नहीं (हिमालय, प. घाट)

(iii) भूकम्प जोन का रेखांकन पर चुनौती बना हुआ।

(iv) योजनाबद्ध प्रयास, का बेहतर तंत्र मौजूद नहीं।

(v) सड़क दुर्घटना, आतंकवाद आदि पर ध्यान ही नहीं।

सामुदायिक भागीदारी व केन्द्र-राज्य समन्वय को मजबूत कर इन चुनौतियों को दूर किया जाए। वर्तमान उचित है आज भारत प्रगतिशील रहा है।

(D) तकनीकी के अनुसार (जाड) आंकड़ों को एकत्र करने, भण्डारण, विश्लेषण करने वाली कम्प्यूटर आधारित इकाई है।
इसकी खोज लायलियंस द्वारा कि गयी।
इसके सामान्य पाँच घटक पाये जाते हैं। (जाड़)

हार्डवेयर — सॉफ्टवेयर — प्रक्रिया — मानव संसाधन — आंकड़े।

(a) हार्डवेयर → यह भौतिक मूर्त इकाई है। वे यंत्री उपकरण जो सूचना का प्रविष्टन, निर्गत, प्रदर्शन करे जैसे माउस, कम्प्यूटर, CPU, आदि।

(B) सॉफ्टवेयर → (1) यह एप्लीकेशन प्रोग्राम का समूह है।

(ii) आंकड़ों के भण्डारण, प्रतिरूपण, विश्लेषण, उनमें फेरबदल करना आदि कार्य करता है

(iii) नए आंकड़ों के प्रबंधन, रूप, व्यवस्था का निर्धारण।
उदा॰ Arcgis, ज्योग्राफिकल इमेजिन आदि

(iii) आंकड़े → वे सभी सूचनाएं (अंक, शब्द, भौगोलिक सूचना आदि)
इसमें स्थानीय - व - गैर स्थानीय आंकड़े शामिल।

(iv) मानव संसाधन → सम्पूर्ण प्रक्रिया संचालन हेतु कुशल-तकनीकी मानव श्रम बल की आवश्यकता।

(v) प्रक्रिया → (i) आंकड़े एकत्र करना
(ii) प्रविष्ट कराना, विश्लेषण
(iii) आंकड़ों की जांच आदि कार्य विभिन्न चरणबद्ध प्रक्रिया से होते हैं।

(E) (GPS) एक नौवहन सूचना प्रणाली है जो अमेरिका द्वारा विकसित कि गयी है जिसमे ग्रहपथ या उपग्रह प्रयोग किये जाते है। यह भू-धरातल पर स्थित वस्तु की स्थिति बताता है यह ट्रायंगुलेशन तकनीक का प्रयोग करता है

(GPS) के भिन्न क्षेत्रों में अनुप्रयोग।

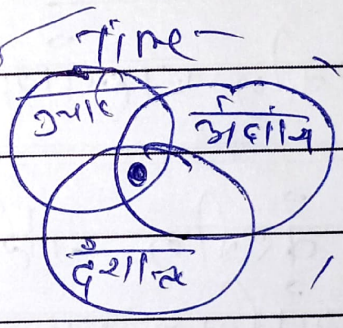

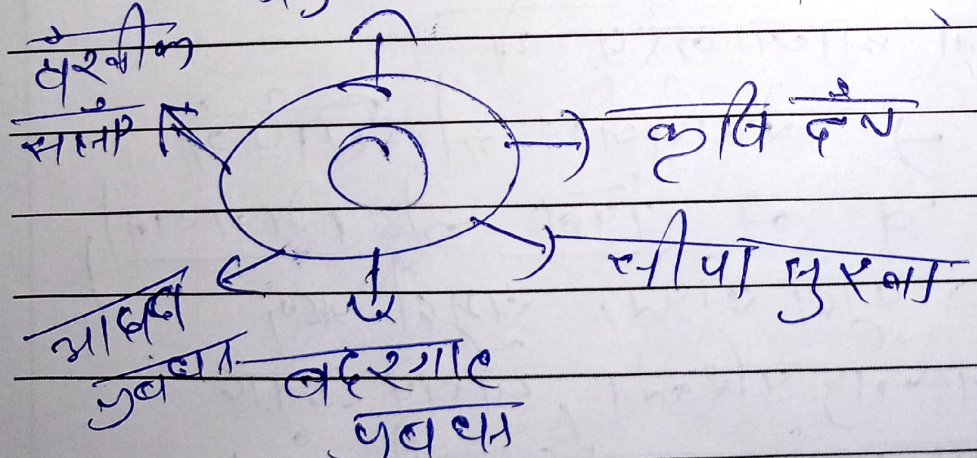

(1) कृषि → (i) कृषि फसलों के मापांकन से
(ii) कृषि क्षेत्रफल मैपिंग से।

(iii) कमलों पर रोगों, फसल प्रयान आकलन में।

(2) सीमा सुरक्षा → युद्ध, सीमा पेट्रोलिंग, समुद्री सीमा निगरानी।

(3) व्यापार / बाजार → (i) जलयानों के लिए बेड़ा प्रबंधन

(4) पर्यटन → (i) पर्यटकों के लिए मार्ग जानकारी व विशेष स्थानों तक पहुँच।

(5) आपदा प्रबंधन → चक्रवात, बाढ़, सुनामी आदि की पूर्व सूचना।

(6) वैश्विक सहयोग → (i) अंतर्राष्ट्रीय संबंधों व वैश्विक नीति निर्माण में अपनी भौगोलिक सूचना साझाकरण में

(7) संसाधन खोज → खनिजों की मैपिंग व वन संपदा की निगरानी।

(8) अनुसंधान → (i) वृहद स्तर, समुद्री जल, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण आदि विषय पर अनुसंधानपरक आंकड़े प्राप्त होते हैं।